समाज में गहरी पैठ जमाते विद्या विस्तार वर्ष के छोटे-छोटे आयोजन

गाँव-गाँव पहुँच रहा है गुरुसत्ता का चिंतन

झालावाड़ (राजस्थान)

विद्या विस्तार महायज्ञों द्वारा नये-नये क्षेत्रों में गायत्री चेतना के विस्तार में मिल रही सफलता से उत्साहित गायत्री परिवार की पिड़ावा तहसील शाखा ने इस अभियान को जन्मशताब्दी वर्ष तक चलाते रहने का उत्साह दर्शाया है। इस क्षेत्र में सक्रिय पुष्कर जोन की दो टोलियों ने ६ से २० दिसम्बर के बीच ८ कार्यक्रम सम्पन्न कराये। मनोहर थाना, तारज, दांता, पनारिया, गंगाधार, असनावर, ढाबला खीची तथा खारपा कला में ये कार्यक्रम सम्पन्न कराये गये। इनमें से चार गाँवों में पहली बार सार्वजनिक गायत्री यज्ञ हुआ।

बेलागंज, गया (बिहार)

गायत्री शक्तिपीठ बेलागंज ने अपने क्षेत्र के गाँव-गाँव में विद्या विस्तार आयोजनों का शुभारंभ पंचायत एरकी में १३ से १५ दिसम्बर, लोदीपुर पंचायत के गाँव सिलौंजा में १९ से २३ दिसम्बर तथा अगद् कचनपुर पंचायत के गाँव फतेहपुर में २३ से २५ दिसम्बर की तारीखों में संपन्न पाँच कुण्डीय यज्ञों से किया। इनमें आयोजकों ने अपने विद्या विस्तार के संकल्प से अधिक ही सफलता प्राप्त करते हुए १९, १८ तथा ११ घरों में विद्या विस्तार सेट स्थापित कराये। ज्ञानरथ सेवाओं से लगभग १५ हजार रुपयों का साहित्य बिका। संस्कार संवर्धन की दृष्टि से भी ये कार्यक्रम बहुत लोकप्रिय रहे। प्रत्येक कार्यक्रम में प्रायः ५० से अधिक लोगों ने दुर्व्यसनों से दूर रहकर जीवन में सुसंस्कारिता संवर्धन के विविध संकल्प लिए। रानी कुमारी, अंजलि कुमारी और उनका महिला मण्डल विद्या विस्तार के इस अभियान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

बक्सर (बिहार)

गायत्री शक्तिपीठ सिमरी ने विद्या विस्तार वर्ष के अंतर्गत शानदार संकल्प लिए, पूरी निष्ठा के साथ सक्रियता अपनायी और प्रशंसनीय उपलब्धियाँ अर्जित कीं। इस शृंखला में दिसम्बर माह में आयोजित प्रथम चार विद्या विस्तार पंच कुण्डीय गायत्री यज्ञ समारोह ५ से ६ हजार लोगों की उपस्थिति वाले थे। मंझरिया के कार्यक्रम में २८, सिविल लाइंस बक्सर में १२, सोहनी पट्टी में ३० तथा नवाडेरा, ग्राम के कार्यक्रम में ३६ विद्या विस्तार सेटों की स्थापना हुई। कार्यक्रम की कलश यात्राओं का आकर्षक दृश्य देखते ही बनता था। प्रत्येक कार्यक्रम में पचास से ज्यादा संस्कार हुए।

मंझरिया में मुस्लिम भाइयों ने यज्ञ में सहयोग करते हुए सबका मन जीत लिया। सोहनी पट्टी में तमाम आशंका और अवरोध-विरोधों का वातावरण था, लेकिन यज्ञ में जो जन सैलाब उमड़ा, उसने सभी को आश्चर्य चकित कर दिया। नवाडेरा में जिले की प्रायः सभी शाखाओं के कार्यकर्त्ताओं का सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

बहिनों की प्रशंसनीय पहल

बैतूल (मध्य प्रदेश)

इस वर्ष विद्या विस्तार की नयी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए बैतूल में आयोजित कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण शिविर ने बैतूल जिले में स्थानीय बहिनों की टोली द्वारा कार्यक्रमों के संचालन की नयी शुरूआत की। उन्होंने ७ से ९ जनवरी की तारीखों में खेड़ी सांवलीगढ़ गाँव में पाँच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का संचालन किया, जिसमें प्रातःकालीन ध्यान साधना, प्रज्ञायोग, संगीत, प्रवचन, कर्मकाण्ड, संस्कार, गोष्ठी आदि सभी कार्यक्रमों का अत्यंत प्रभावशाली संचालन किया। टोली की प्रेरणा और प्रभाव से उपस्थित श्रद्धालुओं ने १८००० रुपये का युग साहित्य खरीदा।

जिले में महिला टोली के प्रथम कार्यक्रम संचालन की समीक्षा के लिए जिला संयोजिका डॉ. शैला मुळे सहित आसपास की कई शाखाओं-आमला, घोड़ाडोंगरी, रानीपुर, बैतूल, सोहागपुर, सारणी, शोभापुर, बोरगाँव आदि के परिजन उपस्थित थे। दैनिक समाचार पत्रों ने भी इस पहल की प्रशंसा की। टोली की विदाई के समय का दृश्य हृदयस्पर्शी था। गाँववालों ने इन बहिनों को भरी आँखों से ऐसे विदाई दी जैसे अपनी बेटी को विदा कर रहे हैं। इस टोली में श्रीमती हेमलता मालनी, श्रीमती अरुणा देशमुख, श्रीमती द्वारका पाटनकर, श्रीमती तुलसी गढेकर एवं श्रीमती प्रेमलता हारोड़े शामिल थीं। ❍

देवलोक वासी हुईं देवात्माएँ

शांतिकुंज के जीवनदानी कार्यकर्त्ता **श्री देवीसिंह तोमर** ८४ वर्ष की उम्र में २७ जनवरी २००८ को गुरुसत्ता की सूक्ष्म चेतना में विलीन हो गये। परम पूज्य गुरुदेव के 'सादा जीवन-उच्च विचार' के सिद्धांत को अपनाने वाले स्व. श्री तोमर जी ने अपना जीवन कठोर परिश्रम, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा एवं मितव्ययिता के साथ व्यतीत किया और अपने सभी परिजनों व समाज को भी इन सिद्धांतों को अपनाने के लिए सतत प्रेरित करते रहे।

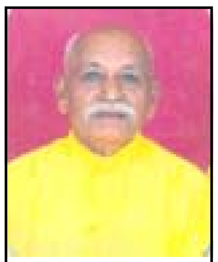

स्व. श्री देवीसिंह तोमर

स्व. श्री देवीसिंह तोमर ने राजगढ़-ब्यावरा (म.प्र.) में संचार विभाग में लाइन मैन के रूप में शासकीय सेवाएँ आरंभ कीं और कई उच्च पदों पर प्रोन्नत हुए। उन्होंने अपने साहसिक कार्यों के लिए महामहिम राष्ट्रपति जी से भी सम्मान प्राप्त किया। वे सेवा निवृत्ति के बाद सन् ८४ में शांतिकुंज आ गये और पूरे समर्पण भाव से कई विभागों में सेवाएँ प्रदान कीं। युगतीर्थ शांतिकुंज में ही अंतिम श्वास लेने वाले स्व. श्री देवीसिंह तोमर जी के निधन पर उनके पुत्र-पुत्रियों सहित समस्त शांतिकुंज परिवार ने उनकी आत्मशांति-सद्गति की भावभरी प्रार्थना पावन गुरुसत्ता से की।

शांतिकुंज के ही जीवनदानी कार्यकर्त्ता **श्री मजीतराम जी** का निधन भी २७ जनवरी २००८ को ही शांतिकुंज प्रांगण में हो गया। वे धनसीर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) के मूल निवासी थे। वे सन् ८२ में पू. गुरुदेव के संपर्क में आये और सन् ९२-९३ से शांतिकुंज की स्वावलम्बन कार्यशाला में पूर्णकालिक सेवाएँ प्रदान करने लगे थे। स्व. श्री मजीतराम जी के सूक्ष्म में विलीन होने पर देव संस्कृति विश्वविद्यालय को सेवाएँ प्रदान कर रहे श्री छत्रपति शिवाजी एवं सुपुत्री सौ. पूर्णिमा के अलावा शांतिकुंज परिवार ने हार्दिक श्रद्धांजलि प्रदान की। ❍

स्व. श्री मजीतराम

विभिन्न वर्गों में युग चेतना का विस्तार

प्रौद्योगिकी संस्थान में
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

एपीजे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा ने १८ जनवरी को गायत्री परिवार की श्रीमती शीलू सागर को आमंत्रित कर अपने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ विद्या के समन्वय संबंधी मार्गदर्शन दिलाया। श्रीमती शीलू सागर ने प्रबंधन तथा कम्प्यूटर विज्ञान के छात्रों को 'व्यक्तित्व परिष्कार' तथा 'कार्पोरेट जगत में कैसे सफल हों?' विषय पर पावर पॉइण्ट के सहारे उद्‌बोधन दिया। उन्होंने श्रेष्ठ संबंध, अथक प्रयास, सकारात्मक चिंतन, प्रभावशाली संवाद, आत्म संप्रेषण, तनाव प्रबंधन आदि के लिए आध्यात्मिक प्रयोगों का अभ्यास कराया और महत्त्व समझाया। विद्यार्थीगण गायत्री मंत्रोच्चार, प्राणायाम, ध्यान जैसी क्रियाओं के अभ्यास से बहुत संतुष्ट एवं उत्साहित नजर आये। संस्थान के निदेशक प्रो. आर.के. वर्मा ने प्रत्येक शुक्रवार को अलग-अलग लोगों से आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त करने और प्रतिदिन विद्यार्थियों को ध्यान-प्राणायाम का अभ्यास कराने के निर्देश दिये। यह कार्यक्रम नोएडा के युवा प्रज्ञा मण्डल के सदस्य प्रज्ञा शुक्ला एवं शुचि वत्स के विशेष सहयोग से आयोजित हुआ था।

दिल्ली की पुलिस कॉलोनी में यज्ञ का संचालन कर रही शांतिकुंज की टोली

समन्वय परिवार के साथ
रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तर प्रदेश)

गायत्री परिवार की विद्याविस्तार महायज्ञ शृंखला के अंतर्गत एक कार्यक्रम स्थानीय समन्वय परिवार प्रांगण में सम्पन्न हुआ। समाज में सत्प्रवृत्तियों के विस्तार के लिए दोनों संस्थाओं का मिलकर कार्य करना यज्ञ का प्रमुख आकर्षण था। दीपयज्ञ के अवसर पर समन्वय परिवार के विद्यालय में वाङ्मय स्थापना करायी गयी। रेणुकूट के रामलीला मैदान में स्थित यज्ञशाला में पिछले ढाई वर्षों से नियमित साप्ताहिक यज्ञ चल रहा है। इस विद्याविस्तार महायज्ञ के साथ समन्वय परिवार द्वारा प्रदत्त यज्ञशाला में भी प्रत्येक रविवार प्रातः यज्ञ की नियमित प्रक्रिया आरंभ हो गयी।

रेलवे वर्कशॉप कॉलोनी में
कोटा (राजस्थान)

प्रज्ञा मण्डल कोटा जं. ने रेलवे वर्कशॉप कॉलोनी में २४ एवं २५ नवम्बर को पंचकुण्डीय यज्ञ का आयोजन किया। रेलवे मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री के. ए.चन्द्रा यज्ञ के मुख्य यजमान थे, वहीं गायत्री परिवार को समर्पित न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री सतीश कौशिक ने विचार क्रांति का संदेश दिया। यज्ञ आरंभ से पूर्व कार्तिक पूर्णिमा पर सामूहिक अखण्ड जप रखा गया। सायंकाल दीपयज्ञ हुआ, जिसका संचालन श्री चतुर्भुज जोशी, श्री सुरेश शर्मा एवं श्री राजेश आनन्द की टोली ने किया। न्यायमूर्ति श्री सतीश कौशिक ने गुरुदीक्षा की महत्ता बतायी। उनकी प्रेरणा से अगले दिन यज्ञ में १९ लोगों ने गुरुदीक्षा ली। कार्यक्रम का संचालन श्री महेश मित्तल की टोली ने किया।

इससे पूर्व प्रज्ञामण्डल रेलवे कॉलोनी की टोली ने ग्राम चंद्रेसल में पंच कुण्डीय यज्ञ का आयोजन किया था।

पुलिस कॉलोनी में दिल्ली पुलिस परिसर, थाना प्रीति विहार, पुलिस कॉलोनी दिल्ली में २९ एवं ३० दिसम्बर को ११०० दीपयज्ञ एवं नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। पुलिस कर्मियों के परिवार तथा गायत्री परिजनों के हितार्थ आयोजित इस यज्ञ में समाज की सुव्यवस्था को समर्पित सैकड़ों लोगों ने सूक्ष्म जगत के परिशोधन के साथ विश्वकल्याण की भावभरी प्रार्थना की।

कार्यक्रम का संचालन शांतिकुंज से पहुँची प्रो. विश्वप्रकाश त्रिपाठी की टोली ने किया। डॉ. रजनीश गर्ग-ए.सी.पी, श्री सतवीर सिंह डागर-एस.एच.ओ. प्रीति विहार, तथा पार्षद श्री राजेश गौड़ इस कार्यक्रम के सम्माननीय अतिथि थे, जिन्होंने अपने उद्‌बोधन में मानवीय पुरुषार्थ की सफलता में आध्यात्मिकता के प्रभाव पर विचार व्यक्त किये। मुख्य आयोजक मिशन को अनन्य भाव से समर्पित श्री मुकेश शर्मा एवं श्रीमती सुनीता शर्मा के अलावा सिकन्दराबाद के श्री शैलेष जी, श्री रामकृष्ण शर्मा तथा अरविंद शर्मा और पूर्वी दिल्ली के कार्यकर्त्ताओं का प्रशंसनीय सहयोग रहा। दिल्ली पुलिस के श्री कुशलपाल, श्री अनिल जी, गायत्री परिवार के श्री टी.सी. वर्मा, प्रेमचंद वर्मा, महिपाल सिंह वर्मा, मोहन बिहारी निगम, श्रीमती प्रभा निगम का भी पूरा-पूरा सहयोग मिला। ❍

विद्या विस्तार केन्द्र का शुभारंभ

फरीदाबाद (हरियाणा)

स्थानीय गायत्री परिवार ने एन.आई.टी. फरीदाबाद में आर्य समाज मंदिर के सामने वाले सार्वजनिक पार्क में पावन प्रज्ञा पुराण कथा एवं २४ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया। अपार जन आस्था के बीच सम्पन्न इस कार्यक्रम में अधिकारी, व्यापारी और प्रबुद्ध वर्ग के सैकड़ों लोगों को युगऋषि के महान विस्तार प्रचार केन्द्र की स्थापना हुई। गायत्री तपोभूमि, मथुरा के व्यवस्थापक श्री द्वारिका प्रसाद चैतन्य ने ज्ञानदीप प्रज्वलन के साथ इस केन्द्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने ११ सेवाभावी परिजनों को तिलक लगाकर, कलावा बाँधकर विद्याविस्तार के संकल्प दिलाये। विद्याविस्तार केन्द्र के शुभारंभ में उद्योगपति श्री एस.के. गुप्ता ने अहम

विद्या विस्तार केन्द्र का उद्घाटन करते श्री द्वारिका प्रसाद चैतन्य जी (इन्सेट में)

अभियान से जुड़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन शांतिकुंज से आयी श्री नमोनारायण पाण्डेय की टोली ने किया। इस महायज्ञ में बड़ी संख्या में पुंसवन, अन्नप्राशन, विद्यारंभ, यज्ञोपवीत, दीक्षा, जन्म दिवस आदि संस्कार हुए।

विद्या विस्तार प्रचार केन्द्र-इस यज्ञ आयोजन के समय फरीदाबाद में विद्या योगदान दिया, जिन्होंने विद्या विस्तार के लिए आवश्यक एक लाख रुपये की सुरक्षा निधि अपनी ओर से जमा कराई। सर्वश्री अशोक कुमार, हरीसिंह, दिनेश कासाट, संजीव सक्सेना, हरिश्चंद्र, श्रीमती रीता गुप्ता, श्रीमती सुमन झा, श्रीमती विनीता कासाट, श्रीमती प्रमिला शाह, श्रीमती सुदेशवाला आदि प्रमुख सहयोगी थे। ❍

जो मन को अपने वश में नहीं करते, हृदय को शुद्ध नहीं बनाते, ईश्वर के प्रति उनकी सब प्रार्थना व्यर्थ है।